हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लिमिटेड, पिंपरी में कुप्रबंध

*275. श्री अजीत जोगी :
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लिमिटेड, पिंपरी में कुप्रबंध के बारे में कामगारों से कोई अभ्यावेदन मिला है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) भविष्य में कुप्रबंध को रोकने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री राम लखन सिंह यादव) : (क) से (ग) हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लि० (एच० ए० एल०) के कामगारों से कुछ अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें कंपनी के प्रबन्धकों के विरुद्ध अनेक आरोप लगाए गए हैं। ये आरोप सामान्य प्रकृति के हैं और दिन प्रतिदिन के प्रबन्ध से संबंधित हैं जैसे कार्मिकों की नियुक्ति, संस्थागत एजेन्टों की नियुक्ति, वार्षिक लेखे तैयार करना, कंपनी के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों की अवहेलना और धीरे-धीरे कंपनी के निजीकरण किए जाने संबंधी आशंकाएं।

हिन्दुस्तान एंटिबायोटिक्स लि. समझौता ज्ञापन (एम. ओ. यू.) पर हस्ताक्षर करने वाली कंपनी है और प्रमुख कार्य निष्पादन पैरामीटरों के संबंध में वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। लक्ष्यों की तुलना में प्रबंधकों के कार्य निष्पादन की सरकार द्वारा समय-समय पर समीक्षा की जाती है और प्रचार के लिए कदम उठाए जाते हैं।

Proposals from NRIs for revival of PSUs

*276. SHRI GHUFRAN AZAM:
PROF. SAURIN BHATTACHARYA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have received different proposals from NRIs for revival of some PSUs;

(b) if so, whether Government have completed examining the same;

(c) whether any proposal has been received for revival of TAFCO;

(d) if so, the facts and details thereof: and

(e) what action is being contemplated to protect the companies for which BIFR has issued show-cause notices for winding up?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SMT. KRISHNA SAHI): (a) to (d) As per available information, a proposal from M/s. Kaushal Leather Industries Limited, an NRI group company has been received by the BIFR indicating their willingness to invest for modernisation of existing units of TAFCO, for importing new machinery with technological back up to generate growth of employment, with proposal for a complete buy-back of products to be produced by the new company within the next 10 years with an assurance to absorb the entire existing work-force of TAFCO and in addition, creating jobs for another 1300 to 2000 workers.

(e) Each such case would be examined by Government on merits and action taken.

Production of plastic

*277. SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN:

SHRI CHIMANBHAI MEHTA:

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) what is the number of plastic goods producing units in our country and

investment made on the projected production estimate and investment by the end of the Eighth Five Year Plan;

(b) whether it is a fact that plastic goods are highly priced although their production cost is low;

(c) whether it is a fact that drip-irrigation pipes are sold at double the cost price due to subsidy to farmers who are buying pipes;

(d) if so, the details thereof; and

(e) what is the per capita consumption of plastic in India and world average?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI RAM LAKHAN SINGH YADAV): (a) According to information available, there are about 20,000 plastic processing units in the country. The investment in plant and machinery in these units in 1991-92 was about Rs. 2,000 crores. The projected investment is expected to be Rs. 4,500 crores by 2000 AD.

(b) The prices of plastic products are neither controlled nor monitored by the Government. In view of a very large number of plastic processing units operating in the country and as a result of healthy competition. the prices of these goods are expected to be fair.

(c) No, Sir.

(d) Does no arise.

(e) The per capita consumption of plastics has been reported to be around 1.5 Kgs in India as against the world average of 16 Kgs.

वस्त्र मशीनरी उद्योग में संकट

@*278. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वस्त्र मशीनरी उद्योग संकट के दौर से गुजरने के कारण बंद होने के कगार पर खड़ा है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या उक्त उद्योग की समस्याओं के समाधान तथा उसे पूर्ववत् चालू रखने के लिए सरकार द्वारा कोई कदम उठाया गया है अथवा उठाए जाने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) और (ख) वस्त्र उद्योग में मंदी के कारण वस्त्र मशीनरी उद्योग का उत्पादन 1991-92 में जो 1029.60 करोड़ रु० था 1992-93 में घटकर 1014.00 करोड़ रु० हो गया था।

(ग) और (घ) सरकार ने वस्त्र मशीनरी निर्माण उद्योग के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए कई उपाय किए हैं। सरकार ने 1994-95 के केन्द्रीय बजट में उपायों की घोषणा की है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं :

(i) परियोजना आयातों और समान्य पूंजीगत सामानों पर मूल सीमा-शुल्क 35% से घटाकर 25% कर दिया गया है;

(ii) स्वदेशी उद्योग के हितों के रक्षा करने के लिए पूंजीगत वस्तुओं की आयात पर स्वदेशी पूंजीगत वस्तुओं पर उत्पाद शुल्क के बराबर काउन्टर-वेलिंग शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया गया है;

(iii) पुर्जों पर आयात शुल्क चाहे इन्हें पुर्जों के रूप में अथवा फालतू पुर्जों के रूप में या मूल उपकरण के रूप में आयात किया गया हो, घटाकर 25% कर दिया

@पूर्वत: तारांकित प्रश्न 198, 8 मार्च 1994 से स्थानांतरित।